Downloaded from www.studiestoday.com

अध्याय-5

कांग्रेस प्रणाली :- चुनौतियां और पुर्नस्थापना

स्मरणीय बिंदु-

- पण्डित नेहरू की मृत्यु (मई 1964) से लेकर 11 जनवरी 1966 तक लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री रहे। शास्त्री जी के बाद कांग्रेस सिंडीकेट के मोरारजी के बजाय इन्दिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाया कि वे अनुभवहीन है और दिशा निर्देश हेतु सिंडिकेट पर निर्भर रहेगी।

- चौथा आम चुनाव (1967) :- दो प्रधानमंत्रियों की मृत्यु नये प्रधानमंत्री का कम अनुभवी होना, मानसून की असफलता, खाद्य संकट, विदेशी मुद्रा कमी, सैन्य खर्चे में वृद्धि से आर्थिक स्थिति विकट होने पर विपक्षी दलों ने लामबन्द होकर जन-आन्दोलन किए।

कांग्रेस - पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, मद्रास व केरल (9 राज्यों) में सरकार न बना सकी। इन राज्यों में कांग्रेस के अलावा दूसरे दलों की दलबदल तथा गठबंधन से सरकार बनी।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम् - इस दल को मद्रास प्रांत (तमिलनाडु) में द्रविड़ संस्कृति का समर्थन तथा हिंदी विरोधी आन्दोलन का नेतृत्व करके सत्ता प्राप्त की।

सिंडिकेट :- 'सिंडिकेट' कांग्रेस के भीतर ताकतवर और प्रभावशाली नेताओं का समूह था। इसमें निम्न लोग शामिल थे।

1. मद्रास के पूर्व मुख्यमंत्री - के॰ कामराज
2. बम्बई से - एस के॰ पाटिल
3. मैसूर (कर्नाटक) - के एस निजलिंगप्पा
4. आंध्र प्रदेश - नीलम संजीव रेड्डी
5. पश्चिम बंगाल - अतुल्य घोष

- राष्ट्रपति चुनाव (1969) - सन् 1969 में राष्ट्रपति जाकिर हुसैन की मृत्यु के बाद राष्ट्रपति पद के चुनाव में कांग्रेस सिंडिकेट ने लोकसभा अध्यक्ष नीलम संजीव रेड्डी को अपना प्रत्याशी बनाया परन्तु इन्दिरा गांधी ने सिंडिकेट से अलग उपराष्ट्रपति वी॰ वी॰ गिरि को प्रत्याशी बनाया।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

इन्दिरा गांधी ने निर्वाचकों से अर्न्तआत्मा की आवाज सुनने को कहां और चुनावों में वी. वी गिरि विजयी हुए।

– कांग्रेस विभाजन (1969) – राष्ट्रपति चुनाव में हार से खिन्न होकर सिंडिकेट ने इंदिरागांधी ने सिंडिकेट से अलग उपराष्ट्रपति वी॰ वी॰ गिरि को प्रत्याशी बनाया। इन्दिरा गाँधी ने निर्वाचको से अर्न्तआत्मा की आवाजे सुनने को कहां और चुनाव में वी. वी गिरि विजयी हुए।

– कांग्रेस विभाजन (1969)–राष्ट्रपति चुनाव में हार से खिन्न होकर सिंडिकेट ने इंदिरा गांधी को कांग्रेस से निष्कासित किया था इस प्रकार कांग्रेस का दो भागों में विभाजन

(1) कांग्रेस आर्गेनाइजेशन (पुरानी कांग्रेस)

(2) कांग्रेस रिक्विजिनिस्ट (नई कांग्रेस)

– ग्रैंड अलांयस – 1971 के चुनाव से पूर्व सभी बड़े और कांग्रेसी गैर साम्यवादी दलो का गठबंधन

– कांग्रेस पुनर्स्थापना के प्रयास :– इंदिरा गांधी के द्वारा निम्न प्रयास किये गयें।

(1) गरीबी हटाओं का नारा (2) प्रिवीपर्स की समाप्ति (3) बैंको का राष्ट्रीयकरण (4) भूमि सुधार और हदबंदी विधेयक (5) वंचितो, दलितो, अल्पसंख्यको, महिला व बेराजगारों की सहायता।

एक अंकीय प्रश्न :–

1. नेहरू की मृत्यु के पश्चात भारत के प्रधानमंत्री के रूप में किसे चुना गया?
2. लाल बहादुर शास्त्री ने कौन सा नारा दिया?
3. इन्दिरा गांधी प्रधानमंत्री बनने से पूर्व किस राजनीतिक पद पर कार्यरत थी?
4. लाल बहादुर शास्त्री ने पाकिस्तान के साथ कौन सा समझौता किया था?
5. दल–बदल की राजनीति कब शुरू हुई?
6. 1967 के चुनावों के परिणामों ने किस प्रकार की राजनीति को जन्म दिया?
7. इन्दिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनवाने में किसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी?
8. भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का संकेत कैसे महसूस होता है?
9. सर्वप्रथम भारत के किस राज्य में किस पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी?
10. प्रिवी पर्स से आप क्या समझते है?
11. स्कूल बच्चों को दोपहर का भोजन देने की योजना लागू करने का श्रेय किसे जाता है?
12. पं॰ जवाहर लाल नेहरू की मृत्यु के समय कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष कौन था?

दो अंकीय प्रश्न :–

1. 1960 का दशक को किन कारणों से खतरनाक दशक कहा जाता है?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

2. किस राष्ट्रपति चुनाव में 'अंर्तआत्मा' की आवाज पर मतदान के लिए कहा गया?

3. चौथे आम चुनावों को राजनीतिक भूकंप की संज्ञा क्यों दी गई?

4. इन्दिरा काल में कांग्रेस का जनाधार कौन से वर्ग के लोग थे?

5. इन्दिरा गांधी द्वारा अपना जनाधार बढ़ाने के लिए उठाये गए कोई दो कदम बताएँ?

6. डी. एम. के राजनीतिक पार्टी ने किस संस्कृति का समर्थन और किस भाषा का विरोध किया?

7. ''ग्रैड़ अलांयस'' से क्या अभिप्राय है?

8. इन्दिरा गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में जमने में समय क्यों लगा?

9. 1996 में शास्त्री जी के मरणोपरांत प्रधानमंत्री पद के लिए संघर्ष किन के बीच हुआ तथा किसने यह पद कैसे प्राप्त किया?

चार अंकीय प्रश्न :-

1. सन् 1971 के चुनावों के क्या परिणाम घटित हुए?

2. श्रीमति इंदिरा गांधी ने दिसम्बर 1970 में लोक सभा भंग करने की सिफारिश करने की आवश्यकता क्यों महसूस की?

3. लाल बहादुर शास्त्री को प्रधानमंत्री बनने पर किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा था?

4. चौथे लोकसभा चुनाव के समय भारत की क्या स्थिति थी?

5. कांग्रेस पार्टी किन कारणों को लेकर 1969 में विभाजन की शिकार हुई?

6. निम्न का संबंध किससे है?

(क) जय जवान जस किसान, (ख) गरीबी हटाओं (ग) इन्दिरा हटाओ (घ) आया राम गया राम

7. निम्न शब्दों का पूर्ण रूप लिखो?

(1) P.U.F. (2) S.V.D. (3) C.W.C. (4) D.M.K.

छः अंकीय प्रश्न :-

1. 1960 के दशक से आरंभ हुई दल बदल की राजनीति से भारतीय राजनीति आज भी ग्रस्त है इस बात को ध्यान में रखते हुए दलबदल के कुप्रभावों की चर्चा करें।

2. 1967 के आम चुनाव के समय भारत की आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक स्थिति का वर्णन करे।

3. चौथे आम चुनाव 1967 के भारतीय राजनीति पर क्या प्रभाव हुए?

4. इन्दिरा गांधी ने कांग्रेस को पुनर्स्थापित करने के लिए क्या रणनीतियां बनाई थी?

एक अंकीय प्रश्नों का उत्तर

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

1. लाल बहादुर शास्त्री

2. जय जवान जय किसान

3. शास्त्री जी के मन्त्रीमण्डल में सूचना मंत्री

4. ताशकन्द समझौता, 1966

5. सन् 1967 से

6. गठबन्धन की राजनीति

7. सिंडिकेट ने

8. भारत में सत्ता का हस्तान्तरण शान्तिपूर्ण ढंग से होता है।

9. मद्रास (अब तमिलनाडु) में, द्रविड मुनेत्र कडगम (डी. एम. के.) की सरकार बनी।

10. देशी रियासतों के राजाओं के विशेषाधिकार जैसे-निजी सम्पदा, विशेष भत्ते आदि।

11. के. कामराज

12. के. कामराज

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. इस समय गरीबी, असमानता, साम्प्रदायिकता, क्षेत्रीय विभाजन, युद्धो का सामना आदि समस्याये विद्यमान थी।

2. वी. वी. गिरि

3. इस चुनाव में कांग्रेस की प्राप्त मत प्रतिशत तथा सीट संख्या में कमी आई और कांग्रेस 09 राज्यों में चुनाव हारी थी।

4. महिला, दलित, आदिवासी तथा अल्पसंख्यक

5. (1) प्रिवीपर्स की समाप्ति (2) बैंको का राष्ट्रीयकरण (3) भूमि सुधार (4) गरीबी हटाओ का नारा।

6. समर्थन-द्रविड़ संस्कृति का, विरोध-हिन्दी भाषा का।

7. 1971 के चुनाव के समय सभी बड़ी गैर साम्यवादी और गैर कांग्रेसी विपक्षी दलों द्वारा बनाया गया गठबन्धन।

8. इन्दिरा गांधी को प्रधानमन्त्री बनने के एक वर्ष के अन्दर लोकसभा चुनावों में अनुआई करनी पड़ी और इस समय देश की आर्थिक स्थिति खराब हो गई थी।

9. इन्दिरा गांधी तथा मोरारजी देसाई में, आम सहमति के बजाय सांसदो ने गुप्त मतदान में इन्दिरा जी को 2/3 मत दिये।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर

1. (अ) काग्रेस संगठन का सफाया (ब) नयी काग्रेस ही भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस की उत्तराधिकारी (स) इन्दिरा गांधी जनता की एक मात्र नेता (द) 1967 का खोया प्रभुत्व पुनः प्राप्त (य) 1971 के पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान का विभाजन।

2. (अ) दूसरे दलों से अपनी निर्भरता समाप्त करना (ब) अपने दल की स्थिति मजबूत करना

(स) अपने कार्य कर्मो के पक्ष में जनादेश प्राप्त करना।

(3) (अ) 1962 के भारत चीन युद्ध से उत्पन्न आर्थिक कठिनाई

(ब) 1965 के भारत-पाक युद्ध तथा इसकी आर्थिक कठिनाई

(स) मानसून की विफलता (द) खाद्यान्न संकट

(य) विदेशी मुद्रा भण्डार में कमी

(र) औद्योगिक उत्पादन तथा निर्यात में कमी।

(4) सन् 1967 में चौथा आम चुनाव हुए - स्थिति

(अ) आर्थिक संकट (ब) विदेशी मुद्रा भण्डार में कमी

(स) मानसून असफल, सूखा, खेती उपज में कमी, खाद्य संकट

(द) सैन्य खर्च में वृद्धि, आर्थिक विकास तथा नियोजन के संसाधनों को सैन्य व्यय में लगाना।

5. सन् 1967 में इन्दिरा गांधी द्वारा 20 सूती कार्यक्रम, खाद्यान्न का सरकार नियन्त्रण, भूमि सुधार, बैंको का राष्ट्रीयकरण तथा प्रिवीपर्स की समाप्ति की घोषणा।

- 1969 में राष्ट्रपति चुनाव में सिडिकेट व इन्दिरा गांधी के मध्य गुट बाजी।

- राष्ट्रपति चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष ने व्हिप जारी किया परन्तु इन्दिरा गांधी ने खुले आम अन्तरात्मा की आवाज पर वोट डालने को कहा।

6. (अ) जय जवान जय किसान - लाल बहादुर शास्त्री

(ब) गरीबी हटाओ - इंदिरा गांधी

(स) इन्दिरा हटाओ - ग्रैड अलांयस

(द) आया राम गया राम - दलबदल

7. (1) P.U.F. : पापुलर युनाइटेड फ्रंट

(2) S.V.D. : संयुक्त विद्यायक दल

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(3) C.W.C. : कांग्रेस वर्किंग कमेटी

(4) D.M.K. : द्रविड मुनेत्र कड़गम

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

(1) (अ) मतदाताओं से विश्वासघात (ब) राष्ट्रीय हितो की अनदेखी (स) प्रशासन में ढील-अलोकतान्त्रिक (द) राजनीतिक अस्थिरता (य) मन्त्रिमण्डल मे अनावश्यक विस्तार (र) छोटे दलों को बढावा (ल) विद्यायको की प्रतिष्ठा में कमी (व) राजनीति में मतदाताओं की रूचि कम होना (च) अवसरवादिता को बढावा।

2. (अ) आर्थिक स्थिति :- मानसून विफलता, खाद्यान्न संकट, विदेशी मुद्रा भण्डार में कमी, सैन्य खर्च में वृद्धि रूपये का अवमूल्यन

(ब) राजनीतिक स्थिति - 1967 के चुनावों तक दो प्रधानमन्त्रियों का देहावसान, नये प्रधानमन्त्री का कम अनुभवी होना विरोधी दलों का कांग्रेस विरोधी मोर्चा बनाना।

(स) सामाजिक स्थिति - समाजवादी पार्टियों का समानता के लिए संघर्ष, कृषक विद्रोह, साम्प्रदायिक दंगे।

3. (अ) काग्रेस के प्रभुत्व को झटका (ब) विपक्षी दलो में एकता का विकास (स) मतदाताओं की जागरूकता का संकेत (द) गठबन्धन सरकारों का आरम्भ (य) दलबदल की शुरूआत (र) राज्यों में मध्याबधि चुनाव।

4 (अ) साम्यवादी दलों से चुनावी गठजोड़ (ब) जनता के सामने ठोस कार्यक्रम - गरीबी हटाओ।

(स) अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्र की वृद्धि (द) राजाओं के प्रिवी पर्स की समाप्ति (य) बैको का राष्ट्रीयकरण (र) विपक्षी दलों के पास ठोस कार्यक्रम नही।

Downloaded from www.studiestoday.com